बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -15- 11- 2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज विस्मयादिबोधक शब्द के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे ।

विस्मयादिबोधक शब्द किसे कहते हैं?

जो शब्द मन के हर्ष, घृणा, आश्चर्य, प्रशंसा आदि भावों को प्रकट करते हैं, वे विस्मयादिबोधक होते हैं। ये शब्द नीचे लिखे भावों को प्रकट करने के लिये आते हैं: निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए:

1. शाबाश! तुमने तो कमाल कर दिया।
2. राम-राम! यह तुमने क्या किया?
3. वाह-वाह! कैसा सुंदर दृश्य है?
4. हाय! बेचारा बस के नीचे आ गया।
5. अरे! आप आ गए।
6. अच्छा! तो यह सब तुमने किया है।

2. इन वाक्यों में शाबाश, राम-राम, वाह-वाह, हाय, अरे, अच्छा, बाप-रे-बाप शब्दों के द्वारा मन के भिन्न-भिन्न भावों को प्रकट किया गया है। ऐसे शब्द विस्मयादिबोधक शब्द कहलाते हैं।

विस्मयादिबोधक भाव	**विस्मयादिबोधक शब्द**
हर्षसूचक	अहो! अहा! वाह-वाह! धन्य! शाबाश!
आश्चर्यसूचक	अरे! क्या! सच! आदि!

घृणासूचक	धिक् ! छिः! धत् ! हट! थू! दूर!
शोकसूचक	हाय! हा! बाप-रे! उफ!
प्रशंसासूचक	शाबाश! धन्य! वाह-वाह!
क्रोधसूचक	अबे! क्यों!
स्वीकृतिसूचक	हाँ ठीक! जी हाँ! अच्छा !
सम्बोधनसूचक	हे! रे! अरे! ओ! ओजी!

3. विशेष

4. मानसिक भावों के प्रकट करने के लिए प्रायः सभी शब्दों को द्योतक या विस्मयादिबोधक के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। जैसे-

विकार	**विस्मयादिबोधक शब्द**	**उदाहरण**
संज्ञा	शिव-शिव!, राम-राम!	शिव-शिव! उसकी मृत्यु की खबर सुनकर दुख हुआ।
सर्वनाम	क्या!	क्या! मैंने तुम्हें कहा था?

विशेषण	अच्छा!	अच्छा! तो यह करामात आप की है।
क्रिया	लो!	लो! मुझे कोसने लगे।
क्रिया-विशेषण	अब!	अब! मरे हम तो।